


सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 179]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 2, 2001/आषाढ़ 11, 1923

No. 179]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 2, 2001/ASADHA 11, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2001

विषय : यूरोपीय संघ, यूएसए, थाईलैण्ड तथा सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एबी₂बी₃ के के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 19/1/2001-डीजीएडी.— मै0 निकोलस पिरामल इंडिया लिमिटेड, मुम्बई ने वर्ष 1995 में यथा—

संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष यूरोपीय संघ, यूएसए, थाईलैण्ड तथा सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एबी₂बी₃ के (इकहरी शक्ति तथा तिगुणी शक्ति में) के पाटन का आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की है और पाटनरोधी जांच तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अनुरोध किया है।

विचाराधीन उत्पाद

2. वर्तमान जांचे में विचाराधीन उत्पाद यूरोपीय संघ, यूएसए, थाईलैण्ड तथा सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एबी2डी3 के (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है जिसका आयात इकहरी शक्ति तथा तिगुणी शक्ति वाले विटामिन के रूपों में किया जा रहा है।

विटामिन एबी₂डी₃ के एक खुला, भूरे-पीले रंग का पाउडर है जिसमें विटामिन ए, बी₂, डी₃ तथा के निहित होते हैं। मूंगफली खाद्य इसका संवाहक है इसका उत्पादन सामान्यतः महीन दानेदार पाउडर के रूप में किया जाता है।

| विटामिन एबी ₂ डी ₃ के के प्रत्येक ग्राम में निम्नलिखित मात्रा निहित होती है | इकहरी शक्ति | | तिगुणी शक्ति | |
|---|-------------|-------|--------------|-------|
| विटामिन ए | 82,500 | आई यू | 247500 | आई यू |
| विटामिन बी ₂ | 50 | एम जी | 150 | एम जी |
| विटामिन डी ₃ | 12,000 | आई यू | 36000 | आई यू |
| विटामिन के | 10 | एम जी | 30 | एम जी |

तिगुणी शक्ति वाले विटामिन में इकहरी शक्ति वाले विटामिन से तीन गुणा घटक निहित होते हैं।

विटामिन एबी₂डी₃ के एक अनुपूरक कुक्कुट आहार है जिसमें विटामिन ए, बी₂, डी₃ तथा के निहित होते हैं। यह कुक्कुट आहार का एक आवश्यक घटक है क्योंकि इसका उपयोग बेहतर पोषण के लिए कुक्कुट आहार में विटामिन के अपेक्षित स्तर को प्रदान करने के लिए किया जाता है। इकहरी शक्ति तथा तिगुणी शक्ति वाले विटामिन का उपयोग कुक्कुट आहार मिलों तथा अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है। मिश्रण की दर आहार के एक मी0 टन में इकहरी शक्ति वाले विटामिन एबी₂डी₃के का 100 ग्राम तथा आहार के एक मी0 टन में तिगुणी शक्ति वाले विटामिन एबी₂डी₃के का 33.33ग्राम अर्थात् इसकी एक-तिहाई मात्रा है।

इस समय विटामिन एबी₂डी₃के का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 23 के तहत इसके उपशीर्ष 2309.90 के तहत किया जाता है। इस उत्पाद को किसी एक ही निर्दिष्ट सीमाशुल्क शीर्ष के तहत वर्गीकृत नहीं किया गया है लेकिन इसे पशु चारे के लिए प्रयुक्त एक

प्रकार की अन्य विनिर्मितियों के वर्ग के तहत रखा गया है। वर्तमान याचिका इकहरी शक्ति वाले विटामिन एबी2डी3के तथा तिगुणी शक्ति वाले विटामिन एबी2डी3के के आयातों के विरुद्ध है। सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण में सीमाशुल्क उपशीर्ष का वर्णन निम्नानुसार किया गया है:-

| शीर्ष/उपशीर्ष सं० | मद विवरण |
|-------------------|--|
| 23 | खाद्य उद्योगों के अवशेष एवं अपशिष्ट ; तैयार पशु चारा |
| 23.09 | पशु चारे में प्रयुक्त एक प्रकार की विनिर्मितियां |
| 2309.90 | अन्य |

तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग

3. यह याचिका मै0 निकोलस पिरामल इंडिया लिमिटेड, मुम्बई द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि शुरुआती चरण से ही भारत में विटामिन एबी2डी3के के एकमात्र विनिर्माता हैं। मै0 निकोलस पिरामल इंडिया लिमिटेड के अलावा कुछ अन्य कंपनियां भी विटामिन एबी2डी3के का विनिर्माण करती हैं। तथापि, याचिकाकर्ता भारत में विटामिन एबी2डी3के का प्रमुख उत्पादक है और विटामिन एबी2डी3के के कुल भारतीय उत्पादन में इसका हिस्सा लगभग 62 % बनता है। इस प्रकार याचिकाकर्ता के पास नियमों के अनुसार याचिका दायर करने का आधार है।

शामिल देश

4. याचिकाकर्ता ने यूरोपीय संघ (ईयू), यूएसए, थाईलैण्ड तथा सिंगापुर के निर्यातकों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन का साक्ष्य उपलब्ध करवाया है। चूंकि ईयू के विभिन्न सदस्य देशों के

बीच सीमाशुल्क संबंधी कोई सीमा नहीं है इसलिए यह तर्क दिया गया है कि इस जांच के प्रयोजनार्थ ईयू को जांच के तहत एक क्षेत्र के रूप में माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता का यह निवेदन स्वीकार कर लिया गया है और इसलिए वर्तमान जांच यूरोपीय संघ (सभी सदस्य देश), यूएसए, थाईलैण्ड तथा सिंगापुर (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के विरुद्ध है।

समान वस्तु

5. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों द्वारा उत्पादित, उसकी मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु है। जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को नियमों के अर्थों के भीतर संबद्ध देश से आयातित विटामिन एबी2डी3के के समान वस्तु माना जा रहा है।

सामान्य मूल्य

6. याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य का दावा प्रशासन, बिक्री लागत तथा लाभ के लिए उचित राशि जोड़ने के बाद संबंधित मूलता के देश में संबद्ध वस्तु की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर किया है। विटामिन एबी2डी3के के सामान्य मूल्य के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है।

निर्यात कीमत

7. विटामिन एबी2डी3के को मात्र किसी एक ही निर्दिष्ट सीमाशुल्क शीर्ष के तहत वर्गीकृत नहीं किया गया है लेकिन इसे पशु चारे में प्रयुक्त एक प्रकार की अन्य विनिर्मितियों के वर्ग में रखा गया है। इसके अलावा डीजीसीआईएण्डएस, कलकत्ता द्वारा उपलब्ध आंकड़ों में मात्रा तथा मूल्य के रूप में देश में आयातित सभी विटामिनों के लिए सम्मिलित आंकड़े होते हैं। चूंकि इस याचिका में केवल

विटामिन एबी2सी3के को कवर करने की मांग की गई है इसलिए याचिकाकर्ता ने द्वितीयक श्रोत (आयातों की सीमाशुल्क तैनीक सूची में शामिल करने वाली एट इनफॉर्मेशन तथा गैट इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस नामक निजी एजेंसियों) से निर्यात कीमत को प्रमाणित किया है। इस आशय का आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है।

कारखाना द्वारा कीमत पाटा करने के लिए विदेशी पालभाड़ा, समुद्री वीमा, कभीशन, अंतर्राज्यीय परिवहन तथा पत्तन खर्चों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है।

पाटन मार्जिन

8. इस बात का प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत (कारखाना द्वारा स्तर पर) से काफी अधिक है, जो प्रथम दृष्ट्या यह इंगित करता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9. क्षति से संबंधित विभिन्न मानदण्ड जैसे बाजार हिस्से में कमी, निर्यात कीमत में कमी, बिक्री प्राप्ति में कमी, संबद्ध वस्तुओं के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई हानि तथा संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से निष्पक्ष एवं उचित कीमत प्राप्त करने में घरेलू उद्योग की असफलता सामूहिक तथा संयची रूप से यह इंगित करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

पाटनरोधी जांच का आरंभ:

10. उपरोक्त पैराग्राफ को देखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी, संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु की कथित डम्पिंग होने, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

207761/2001-2

जांच की अवधि

11. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 31 दिसम्बर, 2000 (9 महीने) तक की है।

सूचना देना

12. संबद्ध देशों में निर्यातकों और भारत में संबद्ध सामान के ज्ञात आयातकों जिनके इससे संबंधित होने की जानकारी है, को अलग से लिखा जा रहा है कि वे अपने विचार तथा संबंधित सूचना निर्धारित रूप में तथा निर्धारित प्रपत्र में निर्दिष्ट प्राधिकारी, (पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय) वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को भेज दें। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि की सीमा के भीतर निर्धारित रूप में और निर्धारित प्रपत्र में जांच से संबंधित अभिवेदन दे सकती है।

समय सीमा:

13. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:

14. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी इच्छुक पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

15. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है तथ केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है।

एल. बी. सप्तश्रुति, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd July, 2001

ject.—Initiation of Anti-Dumping investigation concerning imports of Vitamin AB₂D₃K originating in or exported from European Union, USA, Thailand and Singapore.

No. 19/1/2001-DGAD.— M/s. Nicholas Piramal India Limited, Mumbai has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Vitamin AB₂D₃K (in single strength and triple strength) forms originating in or exported from European Union, USA, Thailand and Singapore and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

2. The product under consideration in the present petition is Vitamin AB₂D₃K being imported in single strength and triple strength forms (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from European Union, USA, Thailand and Singapore. Vitamin AB₂D₃K is a loose, brownish – yellow coloured powder, containing Vitamin A, B₂, D₃ and K. Groundnut meal is the carrier. It is normally produced in fine granular powder form.

| EACH GRAM OF VITAMIN AB ₂ D ₃ K CONTAINS | <u>SINGLE STRENGTH</u> | | <u>TRIPLE STRENGTH</u> | |
|--|------------------------|----|------------------------|----|
| | | | | |
| VITAMIN A | 82,500 | IU | 247500 | IU |
| VITAMIN B ₂ | 50 | MG | 150 | MG |
| VITAMIN D ₃ | 12,000 | IU | 36000 | IU |
| VITAMIN K | 10 | MG | 30 | MG |

The composition of triple strength is three times the composition of single strength.

Vitamin AB₂D₃K is a poultry feed supplement consisting of Vitamin A, B₂, D₃, and K. It is an essential component of Poultry feed as it is used to provide required Vitamin Level in Poultry feed for better nutrition. Vitamin AB₂D₃K single strength and triple strength are used interchangeably by the Poultry feed mills and other

users. The mixing rate is 100 gms of Vitamin AB₂D₃K single strength with one metric ton of feed and one-third i.e. 33.33 gms of Vitamin AB₂D₃K triple strength with one metric ton of feed.

Vitamin AB₂D₃K is presently imported under Chapter 23 of the Custom Tariff Act under sub heading 2309.90. The product has not been categorized precisely under single dedicated custom heading, but it has been covered under the category of other preparations of a kind used in animal feeding. The present petition is against imports of Vitamin AB₂D₃K single strength and Vitamin AB₂D₃K triple strength. The custom sub heading has been described in custom tariff classification as under: -

| Hdg./ Sub hdg. No. | Item Description |
|--------------------|--|
| 23 | Residues and waste from the food industries; prepared animal fodder. |
| 23.09 | Preparations of a kind used in animal feeding. |
| 2309.90 | Other |

The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

DOMESTIC INDUSTRY:

3. The petition has been filed by M/s. Nicholas Piramal India Limited, Mumbai. The Petitioner has claimed that they are the only manufacturer of Vitamin AB₂D₃K in India from Basic Stage. Besides, M/s. Nicholas Piramal India Limited, a few other companies also manufacture Vitamin AB₂D₃K. However, the petitioner is the major producer of Vitamin AB₂D₃K in India and accounts for about 62% of the total Indian Production of Vitamin AB₂D₃K. Thus, the Petitioner has the standing to file the petition as per the Rules.

COUNTRIES INVOLVED:

4. The petitioner has provided evidence of dumping of the product under consideration from the exporters of European Union (EU), USA, Thailand and Singapore. As there is no customs boundary in the EU between various member countries, it has been argued that for the purpose of this investigation EU should be treated as a territory subject to investigation. The submissions of the petitioner have been accepted and therefore, the present investigation is against European Union (all member countries), USA, Thailand and Singapore (hereinafter referred to as the subject countries).

LIKE ARTICLES:

5. The petitioner has claimed that goods produced by them are like articles to the goods produced, originating in or exported from the subject countries. For the purposes of the investigation, the goods produced by the petitioner are being

treated as 'like article' of Vitamin AB₂D₃K imported from the subject countries within the meaning of the Rules

NORMAL VALUE:

6. The petitioner has claimed Normal Value based on the basis of constructed cost of production of the subject goods in the respective country of origin with reasonable addition for administrative, selling cost and for profits. Prima facie evidence has been produced to the Designated Authority with regard to the Normal Value of Vitamin AB₂D₃K.

EXPORT PRICE:

7. Vitamin AB₂D₃K has not been categorized precisely under single dedicated Custom sub-heading, but it has been covered under the category of others preparations of a kind used in animal feeding. Moreover the data available from DGCI&S, Calcutta gives combined data for all Vitamins imported into the country in terms of Volume and Value. Since the petition seeks to cover only Vitamin AB₂D₃K, the petitioner has established the Export price from the secondary sources (private data compiling agencies namely M/s Informant and M/s International Publishing House from the Customs daily list of Imports). Necessary evidence to that effect has been produced.

Adjustments have been claimed on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Commission, Inland Transportation and Port Expenses to arrive at the Ex-factory prices.

DUMPING MARGIN:

8. There is sufficient prima-facie evidence that Normal Value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net Export price (at ex-factory level) indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries.

INJURY AND CAUSAL LINK:

9. Various parameters relating to injury such as the decline in market share, decline in export price, decline in the sales realization, losses to the Domestic Industry in respect of the subject goods and failure of Domestic Industry to realise fair and reasonable price from sale of the subject goods, prima-facie indicate collectively and cumulatively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATION:

10. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

PERIOD OF INVESTIGATION (POI):

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is **1st April, 2000 to 31st December, 2000 (9 Months)**.

SUBMISSION OF INFORMATION:

12. The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, (Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties), Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Government of India, Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

TIME LIMIT:

13. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

INSPECTION OF PUBLIC FILE:

14. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

15. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority